

पिपता

संख्या-226 /XXIV-4/2006

एसओकेओ गठरी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-4

देहरादून:दिनांक 7 जुलाई, 2006

विषय-

जनता इण्टर कालेज गड़ियांव पौड़ी एवं जनता इण्टर
कालेज गथकुड़ीरीण, हिण्डाव टिहरी के प्रान्तीयकरण के
सम्बन्ध में।

महोदय,

उपसंयुक्त विषयक आपके पत्र संख्या- नियो0-1/40885/
ज0इ0का0 गड़ियांव (प्रान्तीयकरण)/2004-05 दिनांक 01 फरवरी, 2005
एवं पत्र संख्या-नियोजन-1/48647/ प्रान्ती0 (ज0इ0का0 गथकुड़ीरीण)
/2005-06 दिनांक 23 दिसम्बर, 2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का
निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जनता इण्टर कालेज गड़ियांव
पौड़ी एवं जनता इण्टर कालेज गथकुड़ीरीण, हिण्डाव टिहरी का
प्रान्तीयकरण शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा वास्तविक रूप से
अध्यापन की तिथि जो भी बाद में हो, से किये जाने एवं विद्यालयों हेतु
निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश के दिनांक अथवा नियुक्ति की
तिथि, जो भी बाद में हो, से 28 फरवरी, 2007 तक बशर्ते कि ये पद
इसके पूर्व ही बिना किसी सूचना के समाप्त न कर दिये जाय, निम्नवत्
अस्थायी पदों को सृजित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।
यह पद शिक्षा विभाग के सम्बन्धित संवर्ग में अस्थायी वृद्धि के रूप में
माने जायेंगे। इन पदों के पदधारकों को समय-समय पर जारी किये गये
शासनादेशों के अनुसार महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते देय होंगे:-

जनता इण्टर कालेज गड़ियांव, पौड़ी

क्र०सं०	पदनाम	वेतनमान (रुपये में)	सृजित पदों की संख्या
1.	प्रधानाचार्य	10,000-325-15200	01(एक)
2.	प्रभारता	6500-200-10,500	05(पाँच)

4- प्रान्तीयकरण की तिथि से उक्त विद्यालयों का सम्पूर्ण व्यय राजस्व आय-व्ययक से सीधे सरकारी खर्च के रूप में वहन किया जायेगा तथा अन्य राजकीय विद्यालयों की भाँति इन विद्यालयों को भी जिला शिक्षा अधिकारी के प्रशासनिक अधिकार में दिया जायेगा, जो शिक्षा निदेशक उत्तरांचल द्वारा प्रसारित सामान्य नियमों के अनुसार इसका संचालन करेंगे। प्रश्नगत विद्यालयों की भूमि/भवन आदि सभी चल तथा अचल सम्पत्ति का शासन को स्थानान्तरण कर दिया जायेगा। विद्यालयों की आय में (प्रान्तीयकरण की तिथि से तथा विद्यालयों की अवशेष बलेंग की मुकाया रकम, कोष बन्दे से प्राप्त रकम, दान से प्राप्त धनराशि तथा छात्रों से ली गई फीस की धनराशि सम्मिलित है) राजस्व प्राप्तियों के अन्तर्गत प्राप्त आय सम्बन्धित शीर्षक में जमा कर दी जायेगी। प्रान्तीयकरण पर ये विद्यालय बिना दायित्व तथा अन्य भार के शासन को सौंप दिये जायेंगे। प्रान्तीयकरण से पहले की देनदारी यदि बाद में निकल आयी, तो उसका दायित्व शासन पर नहीं होगा।

5. उक्त विद्यालय में शिक्षकों आदि की नियुक्ति/समायोजन नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जायेगा। इन पदधारकों की ज्येष्ठता का निर्धारण का पूर्ण अधिकार शासन तथा शिक्षा विभाग को होगा। इन पदधारकों को राजकीय सेवा में स्थायी रूप से विलीनीकरण करना तभी सम्भव होगा, जब ये सक्षम अधिकारी अथवा लोक सेवा आयोग द्वारा अन्ततः योग्य घोषित कर दिये जायेंगे। ऐसे प्रश्नगत स्टाफ को वेतन सामान्य नियमों के अन्तर्गत निर्धारित होगा।

6. ऐसे पदधारक जो निर्धारित योग्यता न रखते हों अथवा जिन्हें शासन के सक्षम अधिकारी का अनुमोदन प्राप्त न हो, का सरकारी सेवा में स्थायी रूप से विलीनीकरण सम्भव न होगा जिन्हें कि उपरोक्त स्वीकृत पदों के सक्षम अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाये। तदनुसार प्रश्नगत स्टाफ को वेतावनी दे दी जाय कि नियुक्ति अधिकारी अथवा विपरीत क्रम से उनके द्वारा नियुक्त अधिकारी को लिखित रूप से दिये गये नोटिस पर समाप्त कर दी जायेगी। ये कर्मचारी अपनी नई सेवा शर्तों को जो एक अस्थायी राज्य कर्मचारी के अनुरूप होगी, स्पष्ट रूप से स्वीकार करेंगे।

7- उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक -2202-सामान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा-आयोजनेत्तर-109-राजकीय माध्यमिक विद्यालय-08-अंतराकीय माध्यमिक विद्यालयों को प्रान्तीयकरण के नामे डाला जायेगा।

3.	सहायक अध्यापक एल0टी0	5500-175-9000	09(नौ)
4.	वरिष्ठ लिपिक	4000-100-6000	01(एक)
5.	कनिष्ठ लिपिक	3050-75-4590	02(दो)
6.	दफ्तारी	2610-60-3540	01(एक)
7.	परिचारक	2550-55-3200	08(आठ)
	योग		27(सत्ताईस)

जनता इण्टर कालेज मथकुड़ीरीण-टिहरी

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	सृजित पदों की संख्या
1.	प्रधानाचार्य	10,000-325-15200	01(एक)
2.	प्रभक्ता	6500-200-10,500	06(छः)
3.	सहायक अध्यापक एल0टी0	5500-175-9000	04(चार)
4.	वरिष्ठ लिपिक	4000-100-6000	01(एक)
5.	कनिष्ठ लिपिक	3050-75-4590	01(एक)
6.	दफ्तारी	2610-60-3540	01(एक)
7.	परिचारक	2550-55-3200	05(पाँच)
	योग		19(उन्नीस)

2- जनता इण्टर कालेज मथकुड़ीरीण हेतु चतुर्थ श्रेणी के 08 पद एवं जनता इण्टर कालेज मथकुड़ीरीण, हिण्डाव टिहरी हेतु चतुर्थ श्रेणी के 05 पद इस प्रतिबन्ध के साथ सृजित किये जाते हैं, कि उक्त विद्यालयों हेतु कमरा: मानक से अधिक 06 (छः) तथा 03 (तीन) कनिष्ठतम चतुर्थ श्रेणी कर्मिकों को वार्षिक प्रबन्ध में अन्यत्र विद्यालयों में जहाँ पद रिक्त हो, स्थानान्तरित किया जायेगा और स्थानान्तरित कर्मिकों से रिक्त होने वाले उक्त 06 एवं 03 पद स्वतः समाप्त हो जायेंगे और उक्त विद्यालयों में तब चतुर्थ श्रेणी के दो-दो ही पद सृजित माने जायेंगे। इसी प्रकार मानक से अधिक शिक्षक तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों का अन्यत्र विद्यालयों में जहाँ पद रिक्त हो, समायोजन/स्थानान्तरण किया जायेगा।

3- राज्यपाल महोदय प्रान्तीयकृत इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों को अपने-अपने विद्यालय से सम्बन्धित व्ययों के लिए आहरण एवं वितरण अधिकारी भी घोषित करते हैं।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 162/ वित्त अनु०-3/2006 दिनांक 14-7-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

मन्दीय

(एस०के माहेश्वरी)
अपर सचिव।

संख्या-226(1)/XXIV-4/2006 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
4. अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल गण्डल पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, पौड़ी/टिहरी।
6. जिला शिक्षा अधिकारी-पौड़ी/टिहरी।
7. कोषाधिकारी, पौड़ी/टिहरी।
8. अपर सचिव, शिक्षा एवं परीक्षा परिषद्, रुमनगर, नैनीताल।
9. सम्बन्धित विद्यालयों के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य।
10. एन०आई०सी०, उत्तरांचल, देहरादून।
11. वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
मन्दीय
(एस०के० माहेश्वरी)
अपर सचिव।